केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 31 गुरूवार 22 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

69000 भर्ती की चयन सूची बचाने को लखनऊ में धरना देंगे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया बीआरसी सभागार में बुधवार को शिक्षकों ने 69000 शिक्षक भर्ती की चयन सूची बचाने के संबंध में 22 अगस्त गुरुवार को लखनऊ धरने को लेकर रणनीति तय किया। गत 13 अगस्त को उच्च न्यायालय इलाहाबाद की लखनऊ खंडपीठ ने आरक्षण में गड़बड़ी मामले को लेकर 69000 शिक्षक भर्ती की चयन सूची को रद्द कर आरक्षण की विसंगति दूर करते हुए नए सिरे से मेरिट सूची तैयार करने का आदेश दिया था। जिसको लेकर चयनित शिक्षकों को डर है कि यदि चयन सूची रद्द होकर दोबारा बनी तो चयनितों का नुकसान हो जाएगा। जिसमें कुछ लोगों का जिला बदलेगा तो कुछ नौकरी से ही वंचित हो जाएंगे। बैठक को संबोधित करते हुए 69000 भर्ती के शिक्षक विवेक कान्त पाण्डेय ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश से हम चयनित शिक्षकों के सामने भारी संकट है। नई सूची बनने पर जितने शिक्षक नए आएंगे उतने शिक्षकों का सूची से हटना तय है साथ ही बीएड योग्यता वाले अभ्यार्थियों की प्राथमिक में नई नियुक्ति बहुत ही टेढ़ी खीर है। वैभव मिश्र ने शिक्षकों से आह्वान करते हुए कहा कि चयन सूची बचाने और अपने मान सम्मान के लिए 22 अगस्त को एससीईआरटी लखनऊ सभी शिक्षक अवश्य पहुंचे।

बैठक में मनीष पाण्डेय, आदित्य सिंह, गोपाल दूबे, आशीष सिंह, आदर्श श्रीवास्तव, शशांक दूबे, जितेंद्र नाथ वरुण, राजन सिंह, आकांक्षा सिंह, प्रियंका सिंह, अंजली श्रीवास्तव, शिल्पी गुप्ता, आरती गुप्ता, भागीरथी यादव, प्रियंका यादव, वीरेंद्र प्रसाद, मोहम्मद शमीम, सूर्यकांत दूबे, प्रेम कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

1 सितम्बर से सदस्यता अभियान चलायेगी भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद बीजेपी एक बार फिर सदस्यता अभियान शुरू होने जा रहा है। बीजेपी अब हर घर तक सदस्य बनाने के अभियान में जुटने जा रही है। एक सितंबर से बीजेपी का सदस्यता अभियान शुरू होने जा रहा है। इस अभियान के जरिए पार्टी कार्यकर्ता लोगों के बीच पहुंचेंगे। बीजेपी ने सांसदों को न्यूनतम बीस हजार तो विधायकों को न्यूनतम दस हजार नए सदस्य बनाने का टारगेट दिया है। 1 सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को लेकर राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर बैठके हो चुकी हैं। जिले पर एक दिवस कार्यशाला 23 अगस्त को दिन में 12 बजे भाजपा कार्यालय पर आयोजित होने जा रही है। 25 से 27 अगस्त तक मंडल स्तर पर सदस्यता अभियान की कार्यशालाएं होंगी। 31 अगस्त को सभी बूथों पर कार्यशाला होगी। सदस्यता अभियान को लेकर जिला, मंडल और बूथ स्तर पर टीम भी बनाई जाएगी। भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने इस अभियान के लिए जिला स्तरीय 5 सदस्यीय टीम का गठन किया जिसमे देवेन्द्र सिंह, अमृत कुमार वर्मा, चन्द्रशेखर मुन्ना, ममता सिंह और मानस भूषण त्रिपाठी को कमान सौपी गई है। इसी तरह मण्डल स्तर पर भी 3–3 सदस्यीय टीम बनाई गई है। भाजपा की सदस्यता के लिए मिस्ड काल, नमो एप्प, क्यूआर कोड और पेपर सहित चार माध्यमो से अभियान चलाया जायेगा। जनप्रतिनिधियो से लेकर पार्टी के पदाधिकारियों को पार्टी का सदस्य बनाने का टास्क दिया गया है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बताया कि जिला स्तर पर 5 सदस्यों की टोली बना दी गई है। उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता घर–घर जाकर संपर्क करेंगे और सदस्य बनाएंगे। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी से जुड़ने को हर कोई तत्पर है, इस बार भी सदस्यता अभियान के जरिए भाजपा विश्व की सबसे पार्टी के रूप में उभर के सामने आएगी।

आरक्षण में कोटा देने के विरोध में भारत बंद का व्यापक असर

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण में कोटा लागू करने की इजाजत देने के खिलाफ बुधवार को दलित–आदिवासी संगठनों ने 14 घंटे का भारत बंद बुलाया। नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गनाइजेशन ने इसे दलित और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। बिहार में बंद का सबसे ज्यादा असर दिखा। वहीं राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में इसको लेकर अलर्ट रहा। कांग्रेस, सपा, बसपा, झामुमो समेत कई दलों ने बंद का समर्थन किया ।

9 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि अनुसूचित जाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं किया जाएगा। 1 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने टिप्पणी की थी कि एससी, एसटी में भी क्रीमी लेयर लागू करने पर विचार करना चाहिए। यूपी के जालौन में प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। सीओ को धक्का दे दिया। आगरा में सड़क पर उतरे बसपा कार्यकर्ताओं ने जबरन दुकानें बंद करवाईं। कलेक्ट्रेट कार्यालय के गेट पर बसपा का झंडा भी फहराया। हाईवे जाम कर लोगों से बदसलूकी की।

आरक्षण में क्रीमी लेयर के सुप्रीम कोर्ट के सुझाव के खिलाफ भारत बंद पंजाब में बेअसर रहा। जालंधर में दलित–आदिवासी संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया। वाल्मीकि समाज के नेताओं ने बंद का विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट का सुझाव सही बताते हुए नगर निगम सफाई यूनियन के सदस्यों ने जालंधर के कंपनी बाग चौक पर लड्डू बाटें।

सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण में कोटे की इजाजत के खिलाफ दलित और आदिवासी संगठनों के भारत बंद का ओडिशा में असर दिखा। रेल और सड़क यातायात मामूली प्रभावित दिखे। सरकारी कार्यालय, बैंक, दुकान और स्कूल खुले रहे।

बक्सर के अंबेडकर चौक के पास प्रदर्शनकारियों ने सिविल कोर्ट के अतिरिक्त जिला जज की गाड़ी को रोक दिया। हंगामा कर रहे लोग गाड़ी के आगे खड़े हो गए। पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। वो प्रदर्शनकारियों को रास्ता देने के लिए समझाते रहे, लेकिन सभी नारेबाजी करते रहे। आखिरकार जज की गाड़ी को वापस मोड़ना पड़ा। बताया गया कि वो कोर्ट न जाकर अपने आवास वापस चले गए।

पटना के डाकबंगला चौराहे पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पहले वाटर केनन चलाई, फिर लाठीचार्ज किया। सभी बेरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

बसपा ने दिया भारत बंद को समर्थन राष्ट्रपति को भेजा 11 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को एस.सी.एस.टी. समाज द्वारा आरक्षण में उप वर्गीकरण के विरोध में आयोजित भारत बंद का बस्ती में मिला जुला असर रहा। अनेक दूकानें, प्रतिष्ठान बंद रहे। बहुजन समाज पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम के संयोजन में बस्ती बंद कराने में योगदान दिया। बसपा कार्यकर्ता कटेश्वरपार्क के परिसर में स्थित बाबा साहब प्रतिमा पर पहुंचे और यही से शहर के अनेक क्षेत्रों में पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती के आवाहन पर दूकानों को बंद कराया।

भारत बंद को समर्थन देने की कड़ी में बसपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और राष्ट्रपति को सम्बोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि भाजपा सरकार सदैव आरक्षण विरोधी रही है। एस.सी.एस.टी. के आरक्षण को खत्म करने के लिये सरकारी नौकरियों को कान्ट्रैक्ट के माध्यम से कराया जा रहा है और सरकारी उपक्रमों को निजी हाथों में बेंचकर एस.सी.एस.टी. वर्गो को आरक्षण से वंचित कर दिया गया है। बसपा ने ज्ञापन के माध्यम से मांग किया है कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर 1 अगस्त 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निष्प्रभावी बनाने का निर्णय लेने के साथ ही संविधान के अनुच्छेद 341, 342 में जो व्यवस्था है उसे संविधान के 9 वीं अनुसूची में शामिल किया जाय जिससे एस.सी.एस.टी. के आरक्षण का मामला कोर्ट के हस्तक्षेप से अलग हो जाय।

बस्ती बंद को सफल बनाने में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री संजय धूसिया, राम सूरत चौधरी, बसपा मण्डल प्रभारी, कल्पनाथ बाबू, ओम प्रकाश गौतम, अतर सिंह गौतम, डा. आलोक वर्मा, अजय कुमार पाण्डेय, युगुल किशोर चौधरी, प्रमोद कुमार, राना अम्बेडकर, जसवंत निगम, दीपक कुमार, आर.डी. प्रेमी, महेन्द्र कुमार गौतम, रामकरन गौतम, योगेन्द्र चौधरी, शैलेन्द्र गौतम, पृथ्वीराज चौहान, रमेश चौधरी, भवानी भीख, राम सागर, नायब चौधरी, रामफेर, भूपेन्द्र राना, अनूप कुमार, उमाशंकर, के.पी. राठौर, किशन गौतम, नौमी प्रसाद, दिवाकर कपूर, राजीव राव, प्रदीप गौतम, देशराज गौतम, रामचेत निराला, के. सी. मौर्य के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने की मांग: प्राथमिक शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में तहसील अध्यक्ष शिवरतन और शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार रुधौली को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि गैर मान्यता विद्यालयों को बंद कराया जाय। ऐसे मान्यता प्राप्त विद्यालय जो मानक पूर्ण नहीं करते हैं उनको बंद कराने तथा विधिक कार्यवाही करने के संबंध में पत्र व विद्यालयों की सूची भी सौंपी ।

जनपदीय मंत्री बालकृष्ण ओझा ने तहसीलदार को बताया कि तहसील रुधौली के ब्लॉक में बड़ी संख्या में गैर मान्यता विद्यालयों का भरमार हो चुका है गैर मान्यता विद्यालय अभिभावकों का किताबें ,ड्रेस और अन्य सुविधाओं के नाम पर शोषण करते हैं मान्यता न होने के बावजूद भी वह अपने विद्यालयों का संचालन कर रहे हैं। गैर मान्यता विद्यालय खुलने से परिषदीय विद्यालयों में नामांकन पर भी प्रभाव पड़ रहा है ।

संघ के तहसील अध्यक्ष शिवरतन ने बताया कि 35 विद्यालयों की सूची जिलाधिकारी को संबोधित पत्र के साथ दिया गया है तथा संघ ने मांग किया है कि तहसील से कमेटी बनाकर ऐसे विद्यालयों को बंद करते हुए उन पर विधिक कार्यवाही कराया जाय।

तहसीलदार ने शीघ्र उपजिलाधिकारी से वार्ता कर कार्यवाही का आश्वासन दिया। पत्र सौंपने वालों में जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, ब्लॉक मंत्री राम भवन यादव, हरिगोपाल ,पवन यादव ,अंगद सिंह ,रमाकांत चौधरी ,नीरज सिंह ,संतोष पाण्डेय, रामस्वरूप , रमेश विश्वकर्मा ,हरि गोपाल शुक्ला, राजेश, शिवनाथ, जितेंद्र यादव, फैजुर्हमान ,अमरजीत ,वेद प्रकाश, सुनील कुमार, दिलीप चौधरी ,कंचन लता ,सोनी सोनवानी ,पुष्पा वर्मा, हसनैन, गौरव त्रिपाठी ,अनिल कुमार, ज्ञान चंद्र ,श्री राम ,प्रदीप कुमार, संतोष कुमार ,प्रीति ओझा, जितेंद्र कुमार, कमालुद्दीन ,अब्दुल रहमान ,वासुदेव ,राजेश यादव, अवधेश कुमार, मनीष वर्मा ,सुमन पटेल, दिनेश सिंह, मनोज पटेल, जयप्रकाश, हीरालाल मधुकर, अशोक कुमार ,नीरज चौधरी, कैलाश चौधरी ,ज्ञान प्रकाश, विपिन श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

आरक्षण के सवाल पर बस्ती बंद में शामिल हुये समाजवादी: प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को समाजवादी पार्टी विधायकों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में एस.सी, एस.टी., समाज द्वारा भारत बंद के आवाहन पर बस्ती बंद कराने में सहयोग किया। सपा नेता शास्त्री चौक पर एकत्र हुये और गांधीनगर, रोडवेज, दक्षिण दरवाजा, अस्पताल चौराहा आदि स्थानों पर दूकानों, प्रतिष्ठानों को बंद कराया। इसके बाद शास्त्री चौक पर एडीएम को प्रधानमंत्री को सम्बोधित 3 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। सपा सांसद राम प्रसाद चौधरी ने बाबा साहब प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आरक्षण के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

–विशेष सत्र बुलाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निष्प्रभावी कराये सरकार– महेन्द्रनाथ यादव

ज्ञापन में कहा गया है कि लोकसभा का विशेष सत्र बुलाकर एस.सी., एस.टी. पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ बिल लाकर फैसले को निष्प्रभावी करने के साथ ही आरक्षण को 9 वीं सूची में शामिल किया जाय। कोलेजियम सिस्टम को बंद कर पारदर्शी व्यवस्था बनाया जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि यदि केन्द्र सरकार चाहे तो विशेष सत्र बुलाकर एस.सी., एस.टी. के गतिरोध को समाप्त करा सकती है। अन्यथा यह माना जायेगा कि भाजपा की सरकार आरक्षण विरोधी है। सपा विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', जावेद पिण्डारी, विजय विक्रम आर्य, राम सिंह यादव, अरविन्द सोनकर, मो. स्वालेह आदि ने कहा कि आरक्षण पर केन्द्र की एनडीए सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करना होगा। कहा कि भारतीय जनता पार्टी सुनियोजित तरीके से आरक्षण को समाप्त करने की दिशा में लगातार षड़यंत्र कर रही है। यूपी में 69000 शिक्षक भर्ती में मनमानी का सच सामने आ गया है। बुधवार को सपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर समाजवादी पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओ ने भारत बंद में शातिपूर्ण ढंग से हिस्सा लिया।

मुख्य रूप से चन्द्र प्रकाश चौधरी, धीरसेन निषाद, विपिन त्रिपाठी, राम शंकर निराला, समीर चौधरी, गीता भारती, राम उजागिर गौतम, रमेश गौतम, कन्हैया सोनकर, गिरीश चन्द्र, संजय गौतम, प्रशान्त यादव, युनूस आलम, भोला पाण्डेय, अरविन्द यादव, मो. उमर, मो0 सलीम, मो. अहमद सज्जू, मो. हारिश, मंशाराम कन्नौजिया, गुलाम गौस, रामचन्दर यादव, अमानत अली, अनिल कुमार भारती, रजनीश यादव, सलीम, विकास यादव, सन्तोष चौधरी, डा. राम प्रकाश सुमन, हनुमान गौड़, गुलाब चन्द सोनकर, आर.डी. निषाद, राहुल सोनकर, राजेश चौधरी, जहीर अंसारी, दाउद खान, जोखूलाल यादव, आदि उपस्थित रहे।

यूपी में भारत बंद का आंशिक प्रभाव

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में आगरा व सहारनपुर को छोड़ कर भारत बंद बेअसर रहा। प्रदेश के अधिकांश जिलों में व्यापारियों ने दुकानें खोलीं और कारोबार किया। राज्य सरकार की मुस्तैदी के चलते अनेक जिलों में बंद केवल ज्ञापन देने तक ही सीमित रहा। आगरा में दलित संगठनों ने एमजी रोड को जाम कर दिया। कासगंज में भी हाइवे पर जाम लगा दिया गया। एटा में जुलूस के दौरान एक गाड़ी पर पथराव कर दिया गया। फिरोजाबाद में बंद को लेकर झपड़ें हुईं। सहारनपुर घंटाघर चौक पर जाम से निकलने का प्रयास कर रही एक गाड़ी में प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ कर दी। लखनऊ में बंद का कहीं भी असर नहीं दिखाई दिया। पुलिस की सख्ती से तय स्थानों पर धरना प्रदर्शन कर बसपा व सपा के कार्यकर्ता ज्ञापन देकर चले गए।

आरक्षण के सवाल को लेकर भारत बंद में शामिल हुये एस.सी, एस.टी.,समाज के लोग:राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को भेजा 8सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । 'आरक्षण कोई भीख नहीं, यह पूना पैक्ट का वादा है', आरक्षण में उपवर्गीकरण, क्रीमीलेयर बंद करो' जैसी तख्तियां लेकर बुधवार को एस. सी, एस.टी., समाज द्वारा भारत बंद के आवाहन पर बस्ती बंद कराया गया। हजारों की संख्या में युवा तिलकराम गौतम, कमलेश सचान, महेन्द्र कुमार, धर्मेन्द्र कुमार रतन, अशोक बौद्ध, बुद्धि प्रकाश एडवोकेट, शशिकान्त आदि के संयोजन में कटेश्वर पार्क स्थित बाबा साहब प्रतिमा के निकट एकत्र हुये। यहां बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद शालीनता के साथ बस्ती बंद कराया गया। आन्दोलित युवाओं में इस बात को लेकर बेचैनी दिखी की किसी व्यापारी, ठेला, फुटपाथ पर दूकान लगवाने वालों का नुकसान न होने पाये। बंद के दौरान एम्बुलेन्स व आवश्ययक सेवाओं, दवा की दूकान, परिवहन आदि को बाधित नहीं किया गया। इसके बावजूद गांधीनगर, कम्पनीबाग, रोडवेज तिराहा, मंगल बाजार, पाण्डेय बाजार आदि स्थानों पर लोगों ने स्वेच्छा से दूकानों को बंद रखा।

बस्ती वंद कराने के बाद एस.सी, एस.टी., समाज और उससे जुड़े सामाजिक संगठनों द्वारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को 8 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से भेजा गया। ज्ञापन के माध्यम से मांग किया है कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर 1 अगस्त 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निष्प्रभावी बनाने का निर्णय लेने के साथ ही संविधान के अनुच्छेद 341, 342 में जो व्यवस्था है उसे संविधान के 9 वीं अनुसूची में शामिल किया जाय जिससे एस.सी.एस.टी. के आरक्षण का मामला कोर्ट के हस्तक्षेप से अलग हो जाय। इसके साथ ही अखिल भारतीय न्यायिक सेवा आयोग का गठन कर कोलेजियम पद्धति के विसंगतियों को दूर किया जाय।

बस्ती बंद कराने और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से उदयभान, हरीश, पारसनाथ, रामानुज भाष्कर, जितेन्द्र कुमार, आशीष कुमार के साथ ही हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

डी.फार्मा एलोपैथिक के 104 छात्रों में टैबलेट का वितरण

-संचार क्रान्ति के समय में शिक्षा के लिये बहु उपयोगी है टैबलेट- संजय चौधरी

-चिकित्सा के क्षेत्र में छात्रों के लिये टैबलेट की भूमिका महत्वपूर्ण-सीएमओ डा. आर.एस. दूबे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने डा. वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बसुआपार मे डी.फार्मा एलोपैथिक के 104 छात्रों में टैबलेट का वितरण किया। कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार छात्र हितों के लिये अनेक कदम उठा रही है। आज के संचार क्रान्ति के युग में बेहतर शिक्षा के लिये टैबलेट छात्रों के लिये बहु उपयोगी साबित हो रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर. एस. दूबे ने कहा कि फार्मासिस्ट, नर्सिंग, आयुर्वेद, होम्योपैथ आदि विधाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिये टैबलेट बहु उपयोगी साबित होगा और वे विश्व व्यापी फलक पर अपने क्षेत्र में ज्ञान अर्जित कर स्वास्थ्य सेवाओं को सबल बनाने में सहायक होंगे। विशिष्ट अतिथि जिला चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डा. विकास सोनकर, विशिष्ट अतिथि डा. ए.के. वर्मा, जिला सेवा योजन अधिकारी अवधेन्द्र वर्मा, डा. राम प्रकाश, प्रैक्सिस विद्या पीठ के प्रबन्धक प्रशान्त पाण्डेय आदि ने शिक्षा के क्षेत्र में टैबलेट के बहु आयामी उपयोग से परिचित कराया। छात्रों को जब टैबलेट मिला तो उनके चेहरों पर मुस्कान थी।

वरिष्ठ चिकित्सक एवं प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। डा. वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट के निदेशक आलोक रंजन ने कहा कि फार्मासिस्ट, नर्सिंग, आयुर्वेद, होम्योपैथ आदि की कक्षायें शासन स्तर पर नियमानुसार संचालित करायी जाती है। इसके साथ ही सुयोग्य शिक्षक उनका मार्ग दर्शन करते हैं। प्राचार्य डा. पवन कुमार गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुये डा. वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट के शैक्षणिक गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर छात्रा पूजा यादव, प्रियंका, प्रिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में घनश्याम गुप्ता, भूपेन्द्र चौधरी, वीरेन्द्र वर्मा, सन्तोष शुक्ल के साथ ही अनेक छात्र, अभिभावक उपस्थित रहे। संचालन वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल जगमग ने किया। इस अवसर पर डा. वी. के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बसुआपार की ओर से अतिथियों को सम्मानित किया गया।

पुण्य तिथि पर याद किये गये स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं राम उजागर शर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। । स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं राम उजागर शर्मा की 51 वीं पुण्यतिथि पर उन्हें जनपद के साहित्यकारों, कवियों द्वारा याद कर श्रद्धांजलि दी गई। शर्मा कालोनी ओरीजोत में पं राम उजागर शर्मा के पुत्र श्याम प्रकाश शर्मा द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ विचारक हरिशंकर सफरीवाला ने कहा कि वे विभिन्न जेलों में लगभग 8 वर्षों तक बंदी रहे। बंदी के दौरान उनकी मुलाकात प्रसिद्ध कवि मैथिलीशरण गुप्त से हुई। जिन्होंने उन्हें विद्रोही की संज्ञा से कविताएं लिखने के लिए प्रेरित किया। जेल में ही उन्होंने परिवर्तन और जागृति के नाम से क्रान्तिकारी उपन्यासों की रचना की। जिसे ब्रिटिश सरकार ने जब्त कर लिया था। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी. के. वर्मा, आसिर वस्तवी, अजमत अली सिद्दीकी, बटुकनाथ शुक्ल आदि ने कहा कि आजादी के बाद से ही देश सेवा का जज्बा कायम रहने की वजह से पं राम उजागर शर्मा ने अपने गांव गौसपुर में नेहरू कृषक विद्यालय की स्थापना की। वह भारत सेवक समाज के अध्यक्ष, प्रान्तीय रक्षक दल के बस्ती कैप्टन, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष व भारत सोवियत मैत्री संघ के अध्यक्ष पदों पर आसीन रहे। उन्होंने संग्राम व समाजवादी भारत का प्रकाशन किया। क्रान्तिकारी कविताएं और रचनाएं लिखते रहे।

शायर डा. अफजल हुसेन 'अफजल' के संयोजन में आयोजित कवि सम्मेलन में डा राजेन्द्र सिंह राही, दीपक सिंह प्रेमी, शाद अहमद 'शाद', जगदम्बा प्रसाद भावुक, अजीत श्रीवास्तव 'राज' अजमत अली सिद्दीकी आदि ने देश प्रेम की रचनाएं प्रस्तुत करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पं राम उजागर शर्मा के पुत्र श्याम प्रकाश शर्मा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एडवोकेट राजकुमार श्रीवास्तव, विनोद कुमार भट्ट, श्रीकान्त श्रीवास्तव, नेबूलाल, श्रीकृष्ण तिवारी के साथ ही दीनानाथ यादव, गणेश शंकर, अरूण कुमार, डा. अनिल श्रीवास्तव, टुन्नी बाबू, मनीष श्रीवास्तव, विकास शर्मा, प्रीती शर्मा, पूजा मिश्रा, वीएन श्रीवास्तव, वीरेन्द्र मिश्र, संजीव पाण्डेय, शत्रुघ्न राय, रामचन्द्र पाल, लालजी पाण्डेय एडवोकेट, वी.के. मिश्र, माधुरी पाण्डेय, सामईन फारूकी, पूजा मिश्रा, गिरीश चन्द्र मिश्र, अनुराधा शुक्ला, अरूण कुमार, पेशकार मिश्र, शत्रुघ्न पाठक, श्रीकृष्ण तिवारी, वैराग पाण्डेय के साथ ही अनेक लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 अगस्त 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

लेटरल एंट्री और सरकार

अब इसे गठबंधन सरकार की मजबूरी समझें या फिर विपक्ष का दबाव कि विवाद के बाद केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। दरअसल, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को शीर्ष सरकारी पदों पर लाने हेतु यह योजना बनी थी। बीते सालों में नौकरशाही में विशेषज्ञों को शामिल करने के कदम को प्रगतिशील सोच कहा गया। लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के चलते विरोध के स्वर मुखर हुए। विपक्षी दलों की तीखी आलोचना और राजग के कुछ सहयोगियों की चिंता के बाद सरकार ने योजना को स्थगित कर दिया। निश्चित रूप से शासकीय व्यवस्था में बड़े फैसले गंभीर परामर्श व सहयोग की मांग करते हैं। सत्ता के दंभ से इतर दूरगामी परिणाम वाली नीतियों को आगे बढ़ाने हेतु सभी हितधारकों से व्यापक बातचीत जरूरी होती है। दूसरे शब्दों में सरकार को अपनी इच्छा थोपने के बजाय गठबंधन राजनीति की जटिलताओं के मद्देनजर विपक्ष से सामंजस्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बहरहाल, यह तय है कि पिछले दो कार्यकाल में स्वछंद शासन करने वाली मोदी सरकार फिलहाल गठबंधन की मजबूरी के साथ विपक्षी दबाव को भी महसूस कर रही है। पिछले दो सप्ताह में राजग सरकार ने विवाद के बाद न केवल वक्फ विधेयक पर निर्णय बदला बल्कि प्रसारण विधेयक को समीक्षा के लिये एक संसदीय पैनल के पास भेजा है। इसके बाद अब लेटरल एंट्री के फैसले पर यू टर्न ने यह निष्कर्ष भी दिया है कि राजग सरकार पर्याप्त बहुमत न होने पर अब गठबंधन की राजनीति की सीमाओं को स्वीकार करने लगी है। एक हकीकत यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के सदस्य अभी भी तल्ख चुनावी तेवरों में नजर आ रहे हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब हरियाणा व जम्मू—कश्मीर में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और इसी साल महाराष्ट्र व झारखंड में भी चुनाव होने हैं।

बहरहाल, केंद्र सरकार ने वक्फ विधेयक व प्रसारण विधेयक के बाद अब लेटरल एंट्री मामले में से हाथ खींचकर यह संकेत देने का प्रयास किया है कि वह टकराव के बजाय बीच का रास्ता अपनाना चाहती है। उसने सतर्क रुख ही अपनाया है। कहा जाता रहा है कि लेटरल एंट्री प्रक्रिया हमारे संविधान में निहित समानता और न्याय के आदर्शों पर केंद्रित होनी चाहिए। इन भर्तियों में आरक्षण के प्रावधान न होने के मुद्दे का कांग्रेस, बसपा, सपा व राजद ने जोरदार तरीके से विरोध किया। उनकी दलील थी कि इस प्रक्रिया में सामाजिक न्याय की अवधारणा की अनदेखी की गई है। दरअसल, 17 अगस्त को यूपीएससी द्वारा 24 केंद्रीय मंत्रालयों में सेक्रेटरी, डायरेक्टर व डिप्टी सेक्रेटरी जैसे पदों के लिये निकाले गए विज्ञापन के कुछ घंटों के बाद विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिये थे। यहां तक कि राजग गठबंधन में शामिल एलजेपी ने भी इस फैसले को लेकर चिंता जतायी थी। विपक्षी दलों की दलील थी कि आरक्षण का प्रावधान न होने से वंचित समाज के हकों की रक्षा नहीं हो सकेगी। वहीं सरकार की दलील है कि लेटरल एंट्री का विचार कांग्रेस सरकार के दौरान 2005 में गठित प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों के बाद सामने आया था और यूआईडीएआई के प्रमुख समेत कई पदों पर विशेषज्ञों की सीधी भर्ती में आरक्षण प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। दरअसल, मोदी सरकार में लेटरल एंट्री की प्रक्रिया वर्ष 2018 में आरंभ हुई थी, जब सीधी भर्तियों के लिये विज्ञापन दिए गए थे। ये नियुक्तियां अनुबंध पर तीन से पांच साल के लिये की गई। लेकिन नियुक्तियों की संख्या कम होने के कारण विवाद नहीं उठा था। इन पदों के लिये राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा निजी क्षेत्र में इस पद से जुड़ा अनुभव रखने वाले लोग आवेदन कर सकते हैं। तर्क दिया गया कि ये नियुक्तियां डेप्यूटेशन जैसी हैं, जिसमें आरक्षण अनिवार्य नहीं है। बहरहाल, इस मुद्दे के विरोध के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, राजग सरकार ने भी आरक्षण विरोधी छवि बनने की आशंका के बीच इस फैसले से हाथ खींचा है। बहरहाल, प्रशासनिक व्यवस्था में विषय विशेषज्ञों का जुड़ना अच्छी बात है लेकिन इस प्रक्रिया में अधिकतम पारदर्शिता की जरूरत है।

समरसता लोकजीवन का अभिन्न अंग

—प्रो. संजय द्विवेदी—

समता, ममता और समरसता हमारे भारतीय लोकजीवन का अभिन्न अंग है। हम जिस देश में रहते हैं उसके ऋषि कहते हैं— 'सर्वभूतहिते रताः।' प्रकृति से साथ हमारा संवाद बहुत पुराना है। इसलिए हमने अपनी समूची सृष्टि को स्वीकारा। किसी को विरोधी नहीं माना। पेड़, पहाड़, नदियां, समुद्र, वनस्पतियां, जलचर, नभचर, जीव—जंतु, मनुष्य सबमें ईश्वर का वास मानने वाले हम ही हैं। हम ही कह पाए जो जड़ में है वही चेतन में है। कण—कण में ईश्वर का वास मानने वाली संस्कृति ही भारतीय संस्कृति है।

काल के प्रवाह में विचलन स्वाभाविक है। आज हमें समता, समरसता और अधिकारों की बात करनी पड़ रही है। सुधारों की बात करनी पड़ रही है, क्योंकि विचलन ने हमें उन मूल्यों से विरत कर दिया, जहां एक आदमी को ईश्वर बन जाने की स्वतंत्रता थी। आदमी का मनुष्य बनना और फिर देवत्व की तरफ बढ़ना साधारण नहीं है। उसके मूल्यनिष्ठ होते जाने की मुनादी है, घोषणा है। ऋषि कहते हैं— 'मर्नु भवः' यानि मनुष्य बनो। यही बात बाद में गालिब के मुंह से निकलती है—

यूं तो मुश्किल है हर काम का आसां होना

आदमी को मयस्सर नहीं इंसा होना।

यानि जन्म से आप 'आदमी' हो सकते हैं किंतु 'मनुष्य' या 'इंसान' एक प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही आप बनते हैं। हमारे समाज में मनुष्य बनाने के स्कूल थे। हमारा परिवार, समाज और विद्यालय तथा धर्मगुरु इस प्रक्रिया को संभव करते थे। मनुष्य—मनुष्य में भेद को हमने अपराध माना। इसीलिए गुरु घासीदास कहते हैं— मनखे—मनखे एक हैं। इसी बात को गांधी छुआछूत के संदर्भ में कहते हैं— "अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है।" हिंदू समाज में आई जड़ता को तोड़ने के लिए समय—समय पर सुधारवादी आंदोलन चलते रहे हैं। हिंदू स्वयं एक ऐसा समाज है, जिसने अपने आत्मसुधार के लिए निरंतर यत्न किए हैं। हम सब ऋषियों की संतति हैं यह भाव लेकर काम करते रहे हैं। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर, कबीर, नानक, गुरु गोरखनाथ, गुरु घासीदास, संत रविदास से लेकर एक पूरी परंपरा जड़ताओं और कुरीतियों पर प्रहार करते हुए आत्मालोचन के लिए प्रेरित करती रही है। समय के सच को समझना और अपने समय के कठिन सवालों से जूझना हिंदुत्व की प्रकृति रही है। गुलामी के कालखंड में आई कुछ नकारात्मक वृत्तियों को समाप्त करने के लिए राजा राममोहन राय, महात्मा गांधी, बाबा साहब डा.भीमराव आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, पंडित सुंदरलाल शर्मा जैसे अनेक नायक हमारे समाज में समरसता के मंत्रदृष्टा बनकर आते रहे हैं। कोई भी समाज कुरीतियों से मुक्त नहीं है। हर समाज में समय के साथ कुछ गिरावट आती है। मूल बात यह है कि क्या समाज अपनी गिरावट के विरुद्ध तनकर खड़ा होता है या नहीं। उसमें आत्मालोचन और आत्मसमीक्षा की प्रवृत्ति है या नहीं। हिंदू समाज इस अर्थ में खास है कि उसने प्रश्नाकुलता को समाज में मान्यता दी है। वह सती प्रथा, बाल विवाह, छूआछूत, जातीय विद्वेष के विरुद्ध खड़ा हुआ और स्त्री शिक्षा, स्त्री को न्याय,मनुष्य की बराबरी के मानकों को स्वीकार करते हुए एक नया भारत बनाने की ओर है। समाज में 'जातिद्वेष' मान्यता नहीं है।

हम मानते रहे हैं कि जाति का गौरव होना चाहिए किंतु जाति भेद ठीक नहीं। हमारे अनेक ऋषि व्यास, बाल्मीकि, संत रविदास, संत रसखान हमारे श्रद्धास्थान हैं। क्योंकि हमें बताया गया और हमने माना भी कि "जाति—पात पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई।" हमारी परंपरा के सर्वोच्च नायक भगवान श्रीराम के समरसता इन्हीं गुणों से मर्यादा पुरुषोत्तम बने। अपनी उदार भावनाओं से वे 'शबरी के राम' हैं तो 'बाल्मीकि के भी राम' हैं। वे तुलसी के राम हैं तो कबीर के भी राम हैं। वे हनुमान के हृदय में हैं तो आहिल्या के भी उद्धारकर्ता हैं। वे निषादराज के परममित्र हैं, तो किंष्किंधानरेश सुग्रीव के भी मित्र हैं। इस परंपरा को समझने वाले ही भारत के मन को समझ सकते हैं।

भारतीय समाज को लांछित करने के लिए उस पर सबसे बड़ा आरोप वर्ण व्यवस्था का है। जबकि वर्ण व्यवस्था एक वृत्ति थी, टेंपरामेंट थी। आपके स्वभाव, मन और इच्छा के अनुसार आप उसमें स्थापित होते थे। व्यावसायिक वृत्ति का व्यक्ति वहां क्षत्रिय बना रहने को मजबूर नहीं था, न ही किसी को अंतिम वर्ण में रहने की मजबूरी थी। अब ये चीजें काल बाह्य हैं। वर्ण व्यवस्था समाप्त है। जाति भी आज रूढ़ि बन गयी किंतु एक समय तक यह हमारे व्यवसाय से संबंधित थी। हमारे परिवार से हमें जातिगत संस्कार मिलते थे—जिनसे हम विशेषज्ञता प्राप्त कर 'जाब गारंटी' भी पाते थे। इसमें सामाजिक सुरक्षा थी और इसका सपोर्ट सिस्टम भी था। बढ़ई, लुहार, सोनार, केवट, माली, निषाद, बुनकर ये जातियां भर नहीं है। इनमें एक व्यावसायिक हुनर और दक्षता जुड़ी थी। गांवों की अर्थव्यवस्था इनके आधार पर चली और मजबूत रही। आज यह सारा कुछ उजड़ चुका है। हुनरमंद जातियां आज रोजगार कार्यालय में रोजगार के लिए पंजीयन करा रही हैं। जाति व्यवस्था और वर्ण व्यवस्था दोनों ही अब अपने मूल स्वरूप में काल बाह्य हो चुके हैं। अप्रासंगिक हो चुके हैं। ऐसे में जाति के गुण के बजाए, जाति की पहचान खास हो गयी है। इसमें भी कुछ गलत नहीं है। हर जाति का अपना इतिहास है, गौरव है और महापुरुष हैं। ऐसे में जाति भी ठीक है, जाति की पहचान भी ठीक है, पर जातिभेद ठीक नहीं है। जाति के आधार भेदभाव यह हमारी संस्कृति नहीं। यह मानवीय भी नहीं और सभ्य समाज के लिए जातिभेद कलंक ही है।

भारत के इतिहास में तमाम ऐसे पृष्ठ हैं, जिसमें हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा के लिए समाज के हर वर्ग के लोगों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। विदेशी आक्राम्णों से जूझते हुए भी हमारे समाज ने अपनी सभ्यता और संस्कृति को जीवित रखा। बाद के कालखंड में विभेदकारी शासकों ने भारतीय समाज में विभाजन के बीज बोए क्योंकि उन्हें अपने राज को स्थाई बनाना था। लोगों के हाथ से हुनर छीन कर उन्हें दास बनाना उनका मकसद था। यह काम बिना बंटवारे की राजनीति से संभव नहीं था। भारत के सामने अपनी एकता को बचाने का एक ही मंत्र है, 'सबसे पहले भारत'। इसके साथ ही हमें अपने समाज में जोड़ने के सूत्र खोजने होंगे। भारत विरोधी ताकतें तोड़ने के सूत्र खोज रही हैं, हमें जोड़ने के सूत्र खोजने होंगे। किन कारणों से हमें साथ रहना है, वे क्या ऐतिहासिक और सामाजिक कारण हैं जिनके कारण भारत का होना जरूरी है। इन सवालों पर सोचना जरूरी है। अगर वे हमारे समाज को तोड़ने, विखंडित करने और जाति, पंथ के नाम पर लड़ाने के लिए सचेतन कोशिशें चला सकते हैं, तो हमें भी इस साजिश को समझकर सामने आना होगा। भारत का भला और बुरा भारत के लोग ही करेंगें। इसका भला वे लोग ही करेंगें जिनकी मातृभूमि और पुण्यभूमि भारत है। वैचारिक गुलामी से मुक्त होकर, नई आंखों से दुनिया को देखना। अपने संकटों के हल तलाशना और विश्व मानवता को सुख के सूत्र देना हमारी जिम्मेदारी है।

भारत अपनी लंबी गुलामी से उपजी इसी पीड़ा को आजतक भोग रहा है। कोई भी राष्ट्र इतने लंबे समय की गुलामी के बाद तमाम राष्ट्रों की तरह समाप्त हो जाता, किंतु भारत खड़ा है क्योंकि उसके पास परंपरा का उत्तराधिकार था। ऋषियों और संतों द्वारा दिया गया आध्यात्मिक उत्तराधिकार था। भक्ति ने भारत को हमेशा बचाया और बदला है। हमारी संत परंपरा हमारी जड़ों में एकता और समरसता के सूत्र पिरोती रही है। उनकी शरण में भारत खुद को तलाशता रहा है और सामने खड़े प्रश्नों से मुक्ति पाता रहा है। कुंभ जैसे आयोजन उसके नवपरिष्कार का अवसर देते रहे हैं, तो समाज में प्रवास कर संत शक्ति उसकी शक्ति को संगठित करती रही है। आज समरसता के मंत्रदृष्टा अनेक सामाजिक संगठन भी सक्रिय होकर अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। भारत जाग रहा, अपना पुर्नआविष्कार कर रहा है। अपनी सांस्कृतिक धारा से जुड़कर अपने संकटों के हल तलाश रहा है। यही यात्रा समरसता की वाहक भी और प्रस्थान बिंदु भी। सामाजिक एकता और सामाजिक समरता के बिना हम 'एक भारत और श्रेष्ठ भारत' नहीं बना सकते। इसलिए एकत्व के तत्व खोजना और मनों को जीतना हमारी कोशिश होनी चाहिए। यही बात 'भारत' को 'समर्थ भारत' बनाएगी।

महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न

—क्षमा शर्मा—

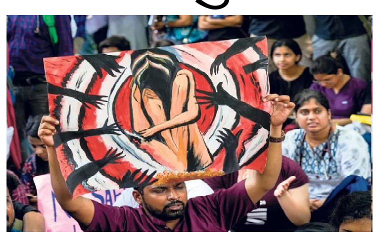

पिछले दिनों से कोलकाता में एक महिला डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या चर्चा में है। इसे कोलकाता का निर्भया कांड कहा जा रहा है। निर्भया की दुष्कर्म और हिंसक मारपीट के बाद सिंगापुर के अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। इस डाक्टर के साथ अपराध वहां किए गए हैं, जहां वह काम करती थी। क्यों सड़कें, घर, अस्पताल, दफ्तर, महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं हैं। निर्भया कांड के बाद दिल्ली में तेज आंदोलन हुआ था। उस समय सारा विपक्ष निर्भया के समर्थन में उतर आया था। और एक बेहद गरिमामय मुख्यमंत्री शीला दीक्षित चुनाव हार गई थीं। लेकिन कोलकाता के केस में ममता बनर्जी की सरकार और विपक्ष का बड़ा तबका अगर—मगर कर रहा है। देशभर में डाक्टरों के स्वतः स्फूर्त आंदोलनों को केंद्र की सत्ताधारी पार्टी से जोड़ा जा रहा है। यहां तक कि डाक्टरों को बीजेपी का सपोर्टर बताया जा रहा है।

कितने अफसोस की बात है कि शीला दीक्षित को तो बार—बार इस छोड़े से पीटा गया था कि एक महिला मुख्यमंत्री के राज्य में ऐसा हुआ। उन्हें निर्भया को श्रद्धांजलि देने तक से रोक दिया गया था। लेकिन बंगाल के मामले में लोगों ने चुप्पी साध रखी है। यही नहीं, निर्भया के बारे में जो तर्क दिए गए थे कि वह इतनी रात बाहर निकली ही क्यों थी। जैसे कि लड़कियां रात में बाहर निकलेंगी तो पुरुषों को यह अधिकार मिल जाएगा कि उनके साथ कुछ भी करो। दुष्कर्म करो, उन्हें मार डालो। कोलकाता में भी ऐसे ही तर्क सत्ताधारी दल के द्वारा दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि वह लड़की सेमिनार रूम में उस वक्त क्या कर रही थी।

अपराधी से कोई सवाल नहीं पूछ जा रहे कि वह वहां क्या करने गया था। कई लोग यह भी कह रहे हैं कि यह मामला मानव अंगों की तस्करी से जुड़ा है। इसमें बहुत से लोग शामिल हैं। महिला डाक्टर को इस बारे में पता चल गया था, वह इसकी शिकायत भी करना चाहती थी, इसलिए उसे खत्म कर दिया गया। सच जो भी हो, लेकिन एक स्त्री ने वहां जान गंवाई है, जहां वह काम करती थी। आखिर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की क्यों नहीं थी। उसके माता—पिता को तीन घंटे तक उसके शव को क्यों नहीं देखने दिया गया। अज्ञात लोगों ने बड़ी संख्या में आकर अस्पताल में तोड़—फोड़ क्यों की। बहुत से सवाल हैं जो अनुत्तरित हैं। सबसे ज्यादा तकलीफ कोलकाता के सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा दिए गए बयानों से हो रही है।

क्या सचमुच हमारे राजनेता, जिनमें स्त्री हो या पुरुष, अपनी—अपनी सत्ता बचाने के लिए इतने अमानवीय हो गए हैं। औरतें सहज शिकार हैं और उनसे कोई सहानुभूति भी नहीं। निर्भया कांड के बाद नए रेप कानून की मांग की गई थी कि उसे इतना कठोर बनाया जाए कि अपराधियों की रूह कांपे। कानून बना, मगर ऐसा हो नहीं सका है। सोचें कि जब पढ़ी—लिखी स्त्रियों के साथ सरेआम ऐसा हो रहा है, तो उन गरीब स्त्रियों का क्या, जिनकी पहुंच न पुलिस तक होती है, न कानून तक। कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों की पोस्ट पढ़कर तो लगता है कि ये भी इंसान कहलाने के लायक नहीं।

एक आम तर्क यह दिया जा रहा है कि कोलकाता पर बोलने वाले उत्तराखंड के दुष्कर्म पर क्यों नहीं बोले, मणिपुर पर क्यों चुप रहे। मान लीजिए कि कोई उस वक्त नहीं बोला, तो क्या इस वक्त उसने अपने बोलने के अधिकार को किसी के पास गिरवी रख दिया कि जब आपकी राजनीति को सूट करे तब आपसे पूछकर कोई बोले।

देश में इन दिनों या तो आप पक्ष में हो सकते हैं, या विपक्ष में। बीच की वह रेखा मिटा दी गई है जहां जब कोई दल अच्छा काम करे, तो उसकी तारीफ की जाए और बुरा करे तो निंदा। आखिर काम—काज की जगह पर स्त्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने से क्यों बचना चाहिए। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है, तो इस पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या महिला और महिला के दुष्कर्म में फर्क होता है। महिलाओं के प्रति अपराध कहीं भी हों, देश में किसी भी सत्ताधारी दल की सरकार हो, वह निंदनीय है। लेकिन उंगली अक्सर दूसरे की तरफ ही उठती है।

दफ्तरों में यौन प्रताड़ना की निगरानी करने वाली कमेटियां सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर महिला सुरक्षा के लिए ही बनाई गई थीं। क्या कोलकाता की डाक्टर के साथ हुआ अपराध इस श्रेणी में नहीं आता। दिल्ली में जब एक महिला की घर से कुछ दूर रात में हत्या कर दी गई थी, तब से यह कानून बनाया गया था कि रात में जो कैब महिला को छोड़ने जाएगी, वहां उसके साथ दफ्तर का कोई आदमी होगा, जो उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। यही नहीं, जब तक महिला अपने घर के अंदर नहीं चली जाएगी, तब तक कैब वहां से नहीं जाएगी। डाक्टर जो बहत्तर—बहत्तर घंटे ड्यूटी करते हैं, उन्हें सड़क पर तो छोड़िए, अपने काम—काज के स्थान पर सुरक्षा न मिले तो यह कितनी खतरनाक बात है। बहुत—सी महिला डाक्टरों के बयान इस लेखिका ने पढ़े और सुने हैं। उनमें यही चिंता झलक रही थी। लेकिन कुछ दल और उनके समर्थकों को इससे क्या। वे इन महिला डाक्टरों के बयानों से आंखें मूंदकर, ममता बनर्जी का पक्ष लेते रहे।

चुनावों से पहले जब हमारे देश के अधिकांश दल अपने—अपने घोषणापत्रों में महिला सुरक्षा के लिए बड़ी—बड़ी बातें करते हैं, उनका क्या फायदा, जब किसी ऐसे अवसर पर आप अपने—अपने दल का मुंह ताकते हुए बयानबाजी करें। अपनी कुर्सी की खातिर किसी अपराध को अपराध कहने से बचें।

और वे बुद्धिजीवी जो इस लड़की की निर्मम हत्या पर आंखें मूंदे हैं क्योंकि यह उनकी राजनीति के पक्ष में नहीं जाता, आखिर उन्हें कौन—सा इलेक्शन लड़ना है। वोट की चिंता करनी है। लेकिन पिछले कुछ सालों से जिसे सच कहते हैं, उसका इतना पतन हुआ है कि कोई सच भी बोल रहा हो तो बहुत से लोग अपने—अपने हितों को देखकर उसे झूठ साबित करने पर लग जाते हैं।

महिला डाक्टर की हत्या के मामले को सीबीआई को सौंप दिया गया है। सीबीआई जांच में जो कुछ भी पाए, वह लड़की जिसके माता—पिता ने उसे डाक्टर बनाया, उसके परिश्रम ने भी उसका साथ दिया, वह तो अब वापस आने से रही। और तो और उसकी तस्वीरें जगह—जगह दिखाई दे रही हैं। उसका नाम बताया जा रहा है। जबकि कानूनन ऐसा करना अपराध की श्रेणी में आता है। आज जब बड़ी संख्या में लड़कियां काम—काज के लिए बाहर निकल रही हैं, तब सत्ताधारियों द्वारा उनकी हस्ती को मिटा देने के ऐसे षड्यंत्र क्यों सफल हों। कायदे से तो महिलाओं को अपनी सुरक्षा की आवाज के तहत उन दलों से सवाल पूछने चाहिए। पितृसत्ता—पितृसत्ता चिल्लाइए और जब मौका मिले उसकी आड़ में या अपने—अपने दलों की आड़ में छिप जाइए, यह कितना शर्मनाक है।—लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

असंगठित समाज के संकट

— निर्मल रानी—

यदि आप रोड टैक्स अदा किये बिना वाहन चलायें तो आपका चालान होना निश्चित है। नगर पालिकाओं व नगर निगम को यदि आप नाले व सीवर सेवाओं के भुगतान समय से अदा न करें गृह कर का भुगतान निर्धारित समय पर न करें तो जुर्माना लगना लाजिमी है। और अब तो थोड़े—थोड़े फासले पर पड़ने वाले टोल बैरियर जनता से पैसे वसूलने के लिये लगाये गये हैं। हालांकि अभी तक टोल वसूलने का तर्क ही समझ में नहीं आया कि आखिर जब सरकार किसी व्यक्ति के नया वाहन लेने के समय ही प्रत्येक वाहन से एक मुश्त मोटा रोड टैक्स वसूल कर लेती है उसके बाद कदम कदम पर टोल वसूली का क्या मतलब है ? और अगर प्रत्येक गाड़ी से जगह जगह टोल वसूलना ही है तो रोड टैक्स के नाम पर वसूल की जाने वाली मोटी रकम वसूलने का मतलब क्या ? अभी पिछले दिनों हुई बारिश में नवनिर्मित सड़कों में गड्ढे पड़ते दिखाई दिये। अनेक वाहन उसमें धंसे हुये नजर आये। कौन है इसका जिम्मेदार ? टैक्स अदा करने वाली जनता या टैक्स के नाम पर लूट व भ्रष्टाचार करने वाली सरकार व प्रशासन ? मगर सरकार सब कुछ मनमानी तरीके से कर रही है। और परेशानहाल आम लोगों की जेब किसी न किसी बहाने इसी तरह कटती रहती है।

सवाल यह है कि इस वसूली के बदले में सरकार जनता को वह सुविधाएं दे भी पाती है जिसके नाम पर जनता से पैसे वसूले जा रहे हैं ? जनता नाली व सीवर के नाम के बिल अदा करती है। जलापूर्ति विभाग पानी के पैसे लेता है। मगर जब नालियां व नाले जाम पड़े हों, दुर्गन्ध फैल रही हो। नियमित सफाई न होती हो ? इसी तरह सीवरेज प्रणाली फेल हो चुकी हो? जगह जगह सीवर के मेनहोल ओवर फ्लो हो रहे हों? सड़कों व गलियों में इन ओवरफ्लो सीवर की सड़ांध फैली हो ,नाले व नालियां भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण के कारण टूटे पड़े हों,नालों का परवाह रुका पड़ा हो,इसके बावजूद यदि सरकार नाले व सीवर के बिल नियमित रूप से भेजती रहे तो जनता को क्या यह पूछने का हक नहीं कि यह किस बात के पैसे वसूल जा रहे हैं ? इस भ्रष्टाचार,लापरवाही,गैर जिम्मेदारी व सरकारी अनदेखी की कीमत जनता को बरसात में मोहल्ले कॉलोनी में जलभराव की स्थिति में अपने घरों के फर्नीचर व अन्य जरूरी व कीमती सामानों की बर्बादी से चुकानी पड़ती है। बाजार व दुकानें पानी से भर जाते हैं। दुकानदारों का भारी नुकसान भी होता है कारोबार भी ठप्प हो जाता है। कौन है इस दुर्व्यवस्था का जिम्मेदार ? आखिर जनता को इस दुर्व्यवस्था का भुगतान क्यों करना पड़े ?

सीवर के मेन होल के बैठ जाने पर गंदे व मलमूत्र युक्त कीचड़ भरे गड्ढों में स्कूटर साईकिल सवार गिर जाते हैं। उन्हें चोट लग जाती है। कई बार सड़कों के खुले मेन होल में गिरने से लोगों की मौत तक हो जाती है। परन्तु जनता की जान की कोई कीमत नहीं? जलापूर्ति विभाग पानी के पैसे तो जरूर लेता है परन्तु प्रायः काला विषैले व दुर्गन्धपूर्ण प्रदूषित जल की आपूर्ति होती है। यदि कोई व्यक्ति बिना देखे धोखे से उसे पी ले तो मौत निश्चित है। क्या ऐसे ही गंदे व प्रदूषित जल की सप्लाई के लिये जनता से पैसे वसूले जाते हैं ? इसी तरह रेल व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो रही है। परन्तु वंदे भारत ट्रेन परिचालन को सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सरकार पेश कर रही है और आगे बुलेट ट्रेन संचालन के सपने दिखाए जा रहे हैं। पिछले दिनों झांसी में इसी वंदे भारत ट्रेन में परोसे गये भोजन में कीड़े चलते मिले। यात्रियों ने हंगामा किया परन्तु कोई जिम्मेदारी लेने वाला नहीं। आरक्षण होने के बावजूद अनारक्षित सवारियां आरक्षित बोगी में भरी होती हैं। यहाँ तक कि अधिकृत यात्रियों को बोगी में शौचालय तक जाने का रास्ता नहीं मिलता। शौचालय के भीतर की हालत दयनीय रहती है।

एंटी करप्शन ने घूस लेते विकास भवन से लिपिक व प्राइवेटकर्मी को दबोचा

संवाददाता–देवरिया। एंटी करप्शन की टीम ने बुधवार को घूस लेते विकास भवन के एक लिपिक व प्राईवेट कर्मी को दबोच लिया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का क्लर्क मदरसा शिक्षक से मेडिकल अवधि का वेतन बनाने को 5 हजार रूपया घूस मांगा था। एंटी करप्शन की टीम लिपिक व प्राइवेटकर्मी को लेकर कोतवाली लेकर चली गई। समाचार लिखे जाने तक वहां विधिक कार्रवाई जारी थी।

संतकबीरनगर निवासी मुहम्मद खालिद देसही देवरिया विकास खण्ड के देवरिया बुद्धू खां के मदरसा जामिया अरबिया मेराजुल उलूम में सहायक अध्यापक पद पर तैनात हैं। उनकी नियुक्ति मृतक आश्रित कोटे के तहत वर्ष 2021 में हुई थी। मु. खालिद इस साल जून में 22 दिन मेडिकल अवकाश पर रहे। उन्होंने मेडिकल अवधि का वेतन भुगतान करने को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में आवेदन किया था।

15 दिन तक के मेडिकल अवकाश का मदरसा के प्रधानाध्यापक तथा इससे अधिक समय के मेडिकल अवकाश का वेतन भुगतान जिला अल्पसंख्यक कल्याणा अधिकारी की अनुमति से होता है। मु. खालिद का जून महीने का वेतन बनाने को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में तैनात लिपिक अमूल यादव ने पांच हजार रूपये घूस की मांग की। खालिद के बार–बार कहने के बाद भी बाबू बिना पैसे का वेतन बनाने से इंकार कर दिया। खालिद ने इसकी शिकायत गोरखपुर के एंटी करप्शन टीम से किया। बुधवार को एंटी करप्शन की दस सदस्यीय टीम विकास भवन पहुंची। मु. खालिद को टीम ने केमिकल लगा पांच हजार रूपया लिपिक अमूल यादव को देने को दिया। खालिद दोपहर करीब ढ़ाई बजे विकास भवन के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में पहुंचे। उन्होंने घूस का पांच हजार रूपया अमूल यादव को देने लगे, अमूल ने खुद पैसा लेने की जगह प्राईवेट कर्मचारी प्रदीप कुमार को देने का इशारा किया।

प्रदीप के पैसा लेते ही एंटी करप्शन की टीम उसे और बाबू अमूल यादव को दबोच लिया। एंटी करप्शन की टीम द्वारा बाबू और उसके लिए वसूली करने वाले प्रदीप को गिरफ्तार करने से हड़कंप मच गया। टीम के सदस्य दोनों को लेकर सदर कोतवाली चले गये। जहां पर उनके खिलाफ कार्यवाही करने को घंटों लिखा पढ़ी चली। मेडिकल अवधि का वेतन बनाने के नाम पर पांच हजार रूपये का घूस मांगने वाला बाबू मृतक आश्रित कोटे के तहत नियुक्त हुआ था। वर्ष 2017–18 में अमूल यादव की मृतक आश्रित कोटे के तहत लिपिक पद पर तैनाती हुई। उसके पिता रामनरेश यादव विभाग में चालक पद पर तैनात थे, उनकी नौकरी के दौरान ही मौत हो गयी। अवकाश काल का वेतन बनाने के नाम पर पांच हजार रूपया घूस लेते एंटी करप्शन द्वारा बाबू के पकड़े जाने से विकास भवन में हड़कंप मच गया। टीम द्वारा बाबू और उसके सहयोगी प्राईवेट कर्मचारी को लेकर जाते समय अन्य विभाग के बाबू अपने कक्षों, जंगले से झांकते रहे। सबसे अधिक खलबली विकास भवन में घूस लेकर काम करने वाले बाबूओं में रही।

आरक्षण के समर्थन में सड़क पर उतरे बसपा कार्यकर्ता, सपाई भी पहुंचे

संवाददाता–देवरिया। आरक्षण के समर्थन में बुधवार को सैकड़ो बसपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर गए। इस दौरान उन्होंने जमकर नारेबाजी की। आंदोलन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मुस्तैद रहे। शहर के टाउन हॉल स्थित बसपा कार्यालय से सैकड़ो की संख्या में करीब 10:30 बजे पार्टी कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष अंबरीश कुमार के नेतृत्व में सुभाष चौक पर पहुंचे। इस दौरान वहां भीम आर्मी के दर्जनों कार्यकर्ता बाइक जुलूस लेकर आ गए। कुछ देर में सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव के नेतृत्व में भी सपा कार्यकर्ता पहुंच गए। सुभाष चौक पर इन सभी ने बसपा के आंदोलन को समर्थन देते हुए आरक्षण के समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान बसपा कार्यकर्ताओं ने आरक्षण के समर्थन में संविधान के सम्मान में बीएसपी मैदान में नारे लगाए। यहां से आंदोलनकारियों का जुलूस शहर के रुद्रपुर मोड़ पर पहुंचा। आंदोलन को देखते हुए एसपी दीपेंद्र नाथ चौधरी और सीओ संजीव रेड्डी के नेतृत्व में आधा दर्जन थानों की पुलिस जिला मुख्यालय पर मुस्तैद रहे।

घूस लेते समय चकबंदी लेखपाल को विजिलेंस टीम ने दबोचा

संवाददाता–महराजगंज। पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के चकबंदी क्षेत्र चौतरवा के लेखपाल अमरनाथ को विजलेंस टीम ने बुधवार को मोहनापुर रेलवे क्रासिंग के पास 20 हजार रुपये घूस लेते समय रंगे हाथ दबोच लिया। मौके पर टीम को देख आरोपी लेखपाल घबड़ाकर भागने की कोशिश करने लगा लेकिन इस ट्रैप टीम ने चारो ओर से घेरकर उसे पकड़ लिया। अचानक इस कार्रवाई से मौके पर भीड़ लग गई। टीम आरोपी लेखपाल को थाने ले गई। टीम के प्रभारी की तहरीर पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। लेखपाल देवरिया जिले का रहने वाला है। इस चकबंदी लेखपाल की काफी दिनों से शिकायत हो रही थी। शिकायत पर बुधवार को उप्र सतर्कता अधिष्ठान की गोरखपुर की ट्रैप टीम प्रभारी इंस्पेक्टर शिवाजी राव, इंस्पेक्टर राम उजागिर,

इंस्पेक्टर हौसिला प्रसाद, इंस्पेक्टर महेंद्र प्रसाद, इंस्पेक्टर सुधीर कुमार सोनी, ओमप्रकाश मिश्रा, प्रदीप कुमार यादव, विजय शंकर दूबे, ईश्वर नारायन यादव, कृष्ण कुमार सिंह यहां पहुंची। तहसील के चकबंदी लेखपाल अमरनाथ प्रसाद को बीस हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। शिकायतकर्ता मल्हनी फुलवरिया निवासीर रामजी यादव ने 13 अगस्त को विजिलेंस एसपी से शिकायत की थी। बताया कि उनकी जमीन ग्राम गुजरवलिया शंकर मिश्र थाना कोल्हुई में स्थित है। इसकी चकबन्दी प्रक्रिया विगत चार वर्षों से चली आ रही है। उसका पुराना गाटा संख्या–325 व रकबा 406 हेक्टेयर था, जिसका नया गाटा संख्या–260 आवंटित हुआ। पूर्व रकबे से 12 एयर की कटौती के बाद रकबा 394 आवंटित हुआ था, जिसे सुधार कराने के लिए सहायक चकबन्दी अधिकारी कार्यालय ग्राम चौतरवा में संबंधित लेखपाल अमरनाथ प्रसाद से मिला। सुधार करने के लिए लेखपाल ने 20 हजार रुपये मांगा। इसी शिकायत पर टीम ने लेखपाल अमरनाथ प्रसाद को दबोच लिया। अमरनाथ देवरिया के लार थाना क्षेत्र के ग्राम पटना का रहने वाला है।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकास खण्ड शोहरतगढ, सिद्धार्थनगर।

पत्रांक / प्रेस–नोट / 177–78 / 2024–25 दिनाक 20 अगस्त 2024।

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर के पत्राक / एस०एस०ए० / निर्माण / 3275–77 दिनांक 2024–25 दिनांक 06 अगस्त 2024 द्वारा कम्पोजिट पू०मा०वि० सीतारामपुर विकास खण्ड–शोहरतगढ़ के परिसर में स्थित भवनों को निम्नलिखित विवरण के अनुसार नीलाम किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है–

क्रम सं0	भवन का प्रकार	मलबे के निस्तारण से प्राप्त धनराशि
1	मूल भवन	17618.00
2	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	47063.70
3	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	49697.76
4	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	53886.26
5	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	37893.00

उपरोक्तानुसार नीलामी की कार्यवाही दिनाक 23.08 2024 को प्रातः 11 बजे ब्लाक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ में की जायेगी। बोली लगाने के इच्छुक व्यक्ति / संस्था निर्धारित मूल्य का 25 प्रतिशत नीलामी समिति के पास नकद जमा कर दें। अधिकतम बोली लगाने वाले के पक्ष में भवन को नीलाम कर दिया जायेगा और शेष समस्त व्यक्तियो / संस्था की जमा धनराशि उसी दिन वापस कर दी जायेगी।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी
शोहरतगढ, सिद्धार्थनगर।

सड़क हादसों में महिला सहित चार की मौत

संवाददाता–बहराइच। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। चार थानों की पांच जगहों पर हुए सड़क हादसों में एक महिला सहित चार की जान चली गई जबकि एक महिला सहित छह घायल हो गए। सभी घायलों को सम्बंधित थानों की पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने एक गंभीर घायल को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। बहराइच–गोंडा हाईवे पर पयागपुर थाने के कोल्हुआ के पास बुधवार शाम चार बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार श्रावस्ती जिले के गिलौला थाने के झिंगुरी नाला गांव निवासी 23 वर्षीय राकेश कुमार पुत्र राजा राम, उनकी पत्नी 21 वर्षीय ननकई गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनके दो छोटे बच्चे बाल –बाल बच गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही खुटेहना चौकी प्रभारी नितिन उपाध्याय पुलिस बल के साथ पहुंचे। आनन– फानन में घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने परीक्षण कर ननकई को मृत घोषित कर दिया। नगर कोतवाली पुलिस ने पोस्टमार्टम को लाश मर्च्युरी में रखवा दिया है। घायल को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

नानपारा– लखीमपुर हाईवे पर मोतीपुर थाने के परवानी गौढ़ी के पास बुधवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार इसी थाने के पिपरिया गांव निवासी 25 वर्षीय इमरान घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंचे एसएचओ आरके पांडेय ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया गया है। घायल मोतीपुर थाने के गिरगिट्टी निवासी 70 वर्षीय बदलू पुत्र जीयन मंगलवार रात लगभग 11 बजे पैदल ही खेत को जाने को निकले। नानपारा–लखीमपुर हाईवे के गिरगिट्टी गांव के पास तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होते ही चालक वाहन सहित भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान होने पर मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

बैंकों के ऋण जमानुपात कम होने पर डीएम ने जताई नाराजगी

संवाददाता– बलरामपुर। डीएम पवन अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को बैंक के जिला स्तरीय सलाहकार की बैठक हुई। इस दौरान बैंकों के ऋण जमानुपात कम होने पर नाराजगी जताई। साथ ही ऋण प्रदान करने में कोताही न बरतने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान डीएम ने कहा कि जनमानस को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने एवं बैंक से जोड़ने के लिए अधिक से अधिक लोगों को छोटे–छोटे ऋण दिए जाएं। रोजगार संबन्धी योजनाओं के लिए किए गए आवेदन का निस्तारण तत्काल किया जाए। जिलाधिकारी ने गांव में कैम्प लगाकर किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी, पशुपालन आदि का लाभ दिए जाने का निर्देश दिया। कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत किसी भी दुर्घटना में मौत होने पर मिलने वाले दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता के बारे में लोगों को जागरूक करें। इस अवसर सीडीओ संजीव कुमार मौर्य सहित बैंक के अधिकारीगण मौजूद थे।

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सई मोहम्मद पुत्र श्री अली रजा, प्रबन्धक की हैसियत से नूरी मस्जिद सोसायटी बारहकोनी, ग्राम–बारहकोनी, पो० रामनगर कठौतिया, तहसील–भानपुर, जनपद– बस्ती के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 01. श्री तौकीर अध्यक्ष 2. श्री हमीदुल्लाह–उपाध्यक्ष 3. श्री सई मोहम्मद–प्रबन्धक 4. श्री सफी मोहम्मद उपप्रबन्धक 5. श्री सलाहुद्दीन कमरूद्दीन शेख–कोषाध्यक्ष 6. श्री श्री मु० वकील सदस्य 7. श्री रियाज–सदस्य दर्शाये गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

आज्ञा से
(बी0के0 सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार
गोरखपुर मण्डल गोरखपुर

बरंगा गांव कटान के निशाने पर, करीब 50 बीघा खेत कटा

संवाददाता–श्रावस्ती। रुक रुक कर हो रही बारिश से राप्ती का जलस्तर बढ़ रहा है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही तटवर्ती गांवों में बाढ़ का कहर शुरू हो जाता है। इसके साथ ही जब जलस्तर कम होता है तो कटान तेज हो जाती है। मंगलवार को बढ़ा जलस्तर बुधवार को कुछ कम हो गया। लेकिन कटान का कहर तेज हो गया। जमुनहा क्षेत्र के बरंगा गांव में राप्ती तेजी से काट रही है। एक दर्जन किसानों के 50 बीघे से अधिक खेत कट गए हैं। गांव की ओर राप्ती तेजी से बढ़ रही है। जमुनहा तहसील के बरंगा गांव की ओर राप्ती तेजी से बढ़ रही है। गांव के पास करीब 50 बीघे धान की लगी फसल कट कर राप्ती नदी में समाहित हो गयी है। बरंगा निवासी किसान रमानंद, अमरीश, सूबेदार, बाढ़ू, फेरन, कामता, दिनेश, चंदर, दयाल, राम लाल, कमला प्रसाद, बिंद्रा मौर्य आदि के खेत कट रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि राप्ती नदी की बाढ़ और कटान के कारण परेशानी बढ़ गई है। बरसात में बाढ़ के कारण बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पा रहा है। वहीं कटान के कारण खेतों की फसलें बह जा रही हैं। गांव के बाहर फूस का मकान बना कर रह रहे बरंगा निवासी लुप्पी पुत्र रघुनंदन ने बताया कि लगता है कि गांव की ओर नदी तेजी से बढ़ रही है। खेतों को काट रही है और अब गांव भी कटने की आशंका बन गई है। ग्राम पंचायत कथरा माफी का बरंगा गांव एक दशक पहले पूरी तरह से कट गया था। इससे लोगों ने सुरक्षित स्थान पर घर बनाया था। लेकिन अब राप्ती नदी फिर से गांव की ओर बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि कटान इसी तेजी से होती रही तो एक साल में गांव दोबारा कट जाएगा। अब गांव कटा को सामान रखने की जगह नहीं मिलेगी। गांव कटने की आशंका से ग्रामीण भयभीत हैं। लुप्पी ने बताया कि गांव की दूरी नदी से मात्र 100 मीटर रह गई है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद महराजगंज, जनपद महराजगंज

नगर पालिका परिषद महराजगंज के समस्त नगर वासियों को "स्वतंत्रता दिवस" की हार्दिक शुभकामनाएं

1. स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रतिभाग करें और सकारात्मक प्रतिक्रिया देकर अपने शहर को उच्च स्थान दिलायें।
2. नगर को स्वच्छ रखने हेतु कूड़े को इधर–उधर न फेंके, उसे कूड़ेदान में ही डालें।
3. डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में हरे कूड़ेदान में गीला कचरा व नीले कूड़ेदान में सूखा कचरा डालें।
4. शादी–विवाह या किसी भी शुभ अवसर पर मोबाइल शौचालय का प्रयोग करें।
5. गीले कचरे से खाद बनाकर होम कम्पोस्टिंग अपनाएं।
6. गृहकर /जलकर /जलमूल्य के बकाया करों की अदायगी समय से करें।
7. जन्म एवं मृत्यु की सूचना कार्यालय में 21 दिन के अन्दर दें।
8. नगर पालिका की भूमि, नाला, नाली, पोखरियों में तथा सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण न करें।
9. नगर में वृक्षारोपण किये गये समस्त पौधो का संरक्षण करें।

सम्मानित सभासद गण

1.श्री दीपक, 2. श्रीमती सुराती देवी, 3. श्री ब्रज किशोर सिंह, 4. श्रीमती जनिता, 5. श्री जितेन्द्र कुमार, 6. श्री गोरखनाथ 7. श्री महेन्द्र गुप्त, 8. श्री राजेन्द्र गौतम, 9. श्री ऋषिकेश, 10. श्रीमती रोहिणी, 11. श्री अजय कुमार गुप्ता, 12. श्रीमती रीनू 13. श्रीमती दुर्गावती, 14. श्री अमितेश कुमार गुप्त, 15. श्री बृजेन्द पटेल, 16. श्रीमती संगीता, 17. श्री राहुल पाण्डेय 18. श्री सदरे आलम, 19. श्री राणा पटेल, 20. श्रीमती रहमतुन निशा, 21. श्री लालजी गुप्ता, 22. श्री सिद्धार्थ नाथ शुक्ल 23. श्री गोरख, 24. श्रीमती प्रमिला, 25. श्रीमती सावित्री

पत्रांक–मेमो/न0पा0प0मह0/2024–25 दिनांक–14/08/2024

(बैकुण्ठनाथ यादव) प्रधान लिपिक न0पा0प0 महराजगंज
(आलोक कुमार) अधिशासी अधिकारी न0पा0प0 महराजगंज
(डॉ0 पुष्पलता मंगल) अध्यक्ष न0पा0प0 महराजगंज
(डॉ0 पंकज कुमार वर्मा) अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) महराजगंज
(अनुनय झा) जिलाधिकारी महराजगंज

घर के फर्राटा पंखे में आ गया करंट, पति को बचाने गए पत्नी भी आई संपर्क में, दोनों की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज स्तित उपनगर के सटे सिधुआपार के कुरावं गांव में बुधवार की सुबह फर्राटा पंखा में करेंट आ जाने से पति पत्नी दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दी है। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली, क्षेत्र के सिधुआपार के कुरावं गांव के राजकुमार निगम (40) पुत्र स्व. सुभाष अपने कमरे में पत्नी विभा व बच्चे के साथ सोए हुए थे। बगल में फर्राटा पंखा चल रहा था। अचानक भोर में फर्राटा पंखे में करेंट आ गया, जिसकी चपेट में राजकुमार निगम आ गए। संपर्क में आते ही वह बिस्तर पर से नीचे गिर गए और उनके ऊपर पंखा गिर गया। उन्हें बचाने उनकी पत्नी विभा गई तो वह भी करंट की चपेट में आ गई, जिससे मौके पर ही पति–पत्नी दोनों की मौत हो गई। मृतक पांच भाईयों में सबसे छोटे थे। वह ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का जीवन यापन करते थे। मृतक के चार पुत्रियां व एक पुत्र है। सबसे बड़ी बिटिया अंशिका (13 वर्ष) जो कक्षा 7, अर्पिता (9 वर्ष) कक्षा 4, प्रियल (4 वर्ष) व प्राची (3 वर्ष) दोनों प्ले वे स्कूल में पढ़तीं हैं। एक बेटा जो अभी 10 माह का है। पांचों बच्चे अनाथ हो गए। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में मातम छा गया।

पत्नी ने हत्या की नीयत से पूर्व प्रधान के अपहरण की जताई आशंका

संवाददाता–संतकबीरनगर। कोतवाली क्षेत्र के जिगिना गांव के लापता पूर्व प्रधान की पीड़ित पत्नी ने पहले एसपी से और फिर कोतवाल से मुलाकात की। पीड़ित पत्नी अपने लापता पति को ढूंढ़ने की फरियाद की। आशंका जताई कि कोई व्यक्ति हत्या करने की नीयत से उसके पूर्व प्रधान पति का अपहरण कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की नीयत से अपहरण किए जाने का केस दर्ज किया।

जिगिना गांव की रहने वाली विद्या देवी का आरोप है कि उसके 46 वर्षीय पति राम उजागिर पुत्र स्वर्गीय हंसू गांव के पूर्व प्रधान हैं। उसकी इकलौती बेटी अंजली की शादी तय हुआ है। बेटी के मंगेतर पुलिस विभाग में सिपाही पद पर तैनात हैं। पति 14 अगस्त को बेटी के बरक्षा कार्यक्रम में जाने के लिए दोपहर दो बजे घर से निकले थे। पति न तो बेटी के बरक्षा कार्यक्रम में पहुंचे और न ही अब तक घर पहुंचे। पति के लापता होने के दिन ही कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज करा दिया था,लेकिन अभी तक पति का पता नहीं चला है। पीड़ित पत्नी विद्या देवी ने आशंका जाहिर किया कि किसी व्यक्ति ने हत्या करने की नीयत से उसके पति का अपहरण कर लिया है। पीड़ित पत्नी बार– बार अपने पति को ढूंढने की रट लगा रही थी। कोतवाल सतीश सिंह ने बताया कि 15 अगस्त को लापता पूर्व प्रधान की बाइक,मोबाइल और जूता लावारिश हाल में अतरौरा के पास मिला था। खलीलाबाद के जिस बैंक में पूर्व प्रधान को पैसा निकालने के लिए जाने की बात बताई गई,दरअसल उस बैंक में पूर्व प्रधान का खाता हीं नहीं है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर से निर्गत एवं शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज बस्ती से सम्बद्ध बी. एस. सी. द्वितीय वर्ष सत्र 2017–2018 अनुक्रमांक 18207007210095 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(प्रभात कुमार मिश्र)
पुत्र श्री जगदीश प्रसाद मिश्रा
ग्राम–डड़वा पोस्ट– कुरियार
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)
मो0 8787255369

घरेलू विवाद में युवक ने लगाई फांसी, मौत

संवाददाता–गोरखपुर। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुजौना स्थित नौकाटोला बिरहुआ गांव निवासी 28 वर्षीय युवक देवानंद पुत्र स्व. राम नाथ ने घरेलू विवाद के चलते मंगलवार की शाम अपने घर मे ही फांसी लगा लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों की मानें तो देवानंद की उसकी पत्नी से आए दिन विवाद होता रहता था। पत्नी भी अक्सर मायके मे ही रहती थी। आये दिन होने वाले झगड़ा, फसाद से परेशान देवानंद नशे का आदी हो गया था। मंगलवार को भी देवानंद का फोन पर पत्नी से विवाद हुआ था।

वह घर से डेरवा चौराहे पर अपने जीजा के साथ गया। वहां से नशा कर घर पंहुचा और फांसी लगा लिया। उस समय उसकी मां खेत मे काम करने गई थी ।जब घर पहुंची तो अंदर से दरवाजा बंद मिला। गाँव के लोगों को बुलाकर किसी तरह दरवाजा खोला गया तो घर के अन्दर फंदे से लटकती देवानंद की लाश मिली। पुत्र की अचानक मौत से मां बदहवास हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने फारेंसिक टीम को बुलाया। मौके से फारेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाया।

मनीष गुप्ता हत्याकांडः धारा 302 हटाए गए पांच पुलिसकर्मियों की बढ़ सकती है परेशानी

संवाददाता–गोरखपुर। कानपुर के व्यापारी मनीष गुप्ता हत्याकांड में जमानत पर रिहा चल रहे गोरखपुर के पांचों पुलिस वालों की एक बार फिर मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में बड़ा फैसला देते हुए पांचों आरोपियों पर चार्ज फ्रेम करने के आदेश दे दिए हैं। 27 अगस्त को इन पर चार्ज फ्रेम किए जाएंगे। यह प्रक्रिया सीबीआई की राउस एवेन्यू कोर्ट में होगी। मनीष गुप्ता की पत्नी मीनाक्षी गुप्ता के एडवोकेट केके शुक्ला ने बताया कि हाईकोर्ट ने यह फैसला 31 जुलाई को सुनवाई के बाद दिया है। इस हत्याकांड में एक इंस्पेक्टर, तीन सब इंस्पेक्टर, एक मुख्य आरक्षी और एक आरक्षी दोषी पाए गए थे। सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। मामला सीबीआई कोर्ट में ट्रांसफर हुआ। ट्रायल के दौरान सीबीआई ने भी चार्जशीट दाखिल कर दी, जिसके बाद सभी आरोपियों को गोरखपुर जेल से दिल्ली के तिहाड़ जेल भेज दिया गया था। केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सिर्फ इंस्पेक्टर जेएन सिंह को हत्या में दोषी माना था, जिसके बाद सभी पांच आरोपियों के खिलाफ लगा हत्या का चार्ज हटा दिया गया था। इन सभी को मारपीट, सबूत मिटाने जैसे मामलों का दोषी बताया गया था। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने हाईकोर्ट में सभी आरोपियों पर हत्या का चार्ज फ्रेम करने के लिए प्रार्थनापत्र दिया था। सीबीआई कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

एन्टी करप्शन टीम ने चकबन्दी कानूनगो को पांच हजार घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के मेहदावल तहसील में कार्यरत चकबन्दी कानूनगो को एन्टी करप्शन टीम ने बुधवार को पांच हजार रुपयों के साथ तहसील गेट पर दिन के 3.20 मिनट पर रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम आरोपी कानूनगो को लेकर तत्काल अग्रिम कार्य के लिए बखिरा थाने पर चली आई। टीम ने आरोपी को हिरासत मे लेकर विधिक कार्यवाई पूरी कर जेल भेज दिया।

बस्ती से आई ऐन्टी करप्शन टीम के अनिल कुमार सिंह ने बताया शिकायतकर्ता राजपाल पुत्र महेंद्र कुमार निवासी ददरा (मेहदावल) की जमीन दूसरी जगह पर चकबन्दी में कर दी गई थी। इसी जमीन को मूल स्थान पर वापस लाने के चकबन्दी कानूनगो अंगद कुमार ने उससे पांच हजार की रकम की मांग की थी। पीड़ित ने बताया कि उसने रकम देने में असमर्थता जताई, लेकिन कानूनगो नहीं माने। मजबूरन उसने इसकी शिकायत एन्टी करप्शन टीम से की। कानूनगो ने रकम लेने के लिए उसे आज बुलाया था।

तय समय अनुसार पांच हजार रुपए नगद मेंहदावल तहसील गेट पर वह कानूनगो को दे रहा था, उसी समय टीम ने चकबन्दी कानूनगो को मेंहदावल तहसील गेट पर रंगे हाथ पकड़ा। एंटी करप्शन टीम आरोपी चकबन्दी कानूनगो को लेकर बखिरा थाने पर चली आई। आरोपी चकबन्दी कानूनगो अंगद कुमार निवासी भगवानपुर थाना खजनी, गोरखपुर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एन्टी करप्शन टीम ने जेल भेज दिया।

राप्ती नदी ने पार किया खतरे का निशान, चौबीस घंटे में बढ़ा 33 सेमी नदी का जलस्तर

संवाददाता–गोरखपुर। नेपाल की पहाड़ियों पर हुई बारिश का असर मंडल में बहने वाली नदियों के जलस्तर पर पड़ने लगा है। कल तक खतरे के निशान से नीचे बहने वाली राप्ती नदी बुधवार को लाल निशान पार कर गई। जबकि सरयू नदी बरहज में खतरे के निशान से 90 सेमी ऊपर बह रही है। अयोध्या में सरयू खतरे के निशान से मात्र तीन सेमी नीचे रह गई है। अन्य नदियों का भी जलस्तर बढ़ रहा है लेकिन, वह खतरे के निशान से नीचे हैं। इस बीच सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता ने अपने विभाग के इंजीनियरों को सतर्क कर दिया है। वे बंधों की सतत निगरानी कर रहे हैं।

काफी दिनों तक बारिश नहीं होने के कारण सभी नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे चली गई थीं। इससे सिंचाई विभाग का पूरा महकमा निश्चिंत हो गया था। लग रहा था कि अब बाढ़ नहीं आएगी। अचानक नेपाल में हुई बारिश की वजह से राप्ती नदी उफना गई। खतरे के निशान से तीन मीटर नीचे पहुंच चुकी राप्ती अचानक बढ़ने लगी। तीन दिन में उसने खतरे का निशान पार कर लिया। वह बर्डघाट में लाल निशान से 6 सेमी ऊपर बह रही है। सरयू नदी बरहज में जहां 90 सेमी ऊपर बह रही है जबकि यही अयोध्या में खतरे के निशान से 3 सेमी नीचे है। सुबह तक यहां भी खतरे का निशान पार करने की पूरी संभावना है। नेपाल से निकल कर राप्ती में मिलने वाली रोहिन नदी अभी खतरे के निशान से 64 सेमी नीचे है। जबकि गोर्रा नदी खतरे के निशान से अभी 80 ओर कुआनो दो मीटर से अधिक नीचे है। मुख्य अभियंता, सिंचाई विभाग विकास कुमार सिंह ने बताया कि सरयू व राप्ती नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। लेकिन, अभी कहीं पर कोई दिक्कत नही है। वह कई बंधों का निरीक्षण कर के आए हैं। हर जगह स्थिति सामान्य है। बंधों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। विभाग के इंजीनियर लगातार निगरानी कर रहे हैं। पिछले दिनो राप्ती खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर पहुंच गई। तब भी स्थिति सामान्य रही।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती गेना देवी
बनाम
श्रीमती शान्ती देवी आदि

1. श्रीमती शान्ती देवी 2. दुखराम पुत्र मुन्नीलाल ग्राम कृष्णा भगौती तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 3. योगेन्द्र उर्फ धन्ने 4. गोरख प्रसाद पुत्रगण रामराज ग्राम पाण्डेयडीह तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 5. ग्राम पंचायत कृष्णा भगौती द्वारा प्रधान तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 6. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिला कलेक्टर बस्ती

तारीख पेशी 30–08–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 176/2021
अदालत–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
शिव कुमार आदि
बनाम
मुन्ना आदि

1. मुन्ना 2. शमीम पुत्रगण सत्तार 3. जितेन्द्र 4. धर्मेन्द्र 5. सुरेन्द्र पुत्रगण मखूलाल 6. नीलू पत्नी शिव कुमार साकिनान मौजा बाघानाला तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 7. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र उमादत्त साकिन मौजा बाघानाला तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 8. कपिल मुनि 9. व्यासमुनि 10. माता प्रसाद पुत्रगण महादेव 11. मोनू पुत्र केसरीनन्दन 12. प्रदीप कुमार 13. अमित कुमार पुत्रगण केसरीनन्दन साकिन गौरियानैन तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com